

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रकाशरण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रामाणिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 453] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 19, 1970/अग्रहायण 28, 1892

No. 453] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 19, 1970/AGRAHAYANA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रकाश संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 16th December 1970

S.O. 4001.—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. These rules may be called the Income-tax (Fifth Amendment) Rules, 1970.
2. In clause (b) of rule 3 of the Income-tax Rules, 1962, in clause (2) of the Explanation, after sub-clause (iii), the following sub-clause shall be inserted, and shall be deemed to have been inserted with effect from the 1st April, 1962, namely:

“(iv) any allowance in the nature of an entertainment allowance, to the extent such allowance is deductible under clause (ii) of section 16.”.

Explanatory Memorandum.

Under the Income-tax Act, 1961, the value of perquisites received by a salaried employee from his employer is chargeable to tax in his hands as salary income. The value of such perquisites is determined in accordance with rule 3 of the Income-tax Rules, 1962. This rule, *inter alia*, provides that the value of rent free accommodation provided to the employee by his employer should ordinarily

(1963)

be estimated at a sum equal to 10 per cent or 12.5 per cent of his "salary", according as the accommodation is unfurnished or furnished. For this purpose, the term "salary" has been defined to include pay, allowances, bonus or commission payable monthly or otherwise but excluding the following:—

- (i) Dearness allowance or dearness pay unless it enters into the computation of retirement benefits of the employee concerned;
- (ii) employer's contribution to the provident fund account of the employee; and
- (iii) allowances which are exempt from payment of tax.

Thus the amount of "allowances which are exempt from payment of tax" are not includible in 'salary' for the purpose of calculating the value of the perquisite in respect of rent free accommodation.

2. Section 16(ii) of the Income-tax Act, 1961, provides for the deduction of "entertainment allowance" upto certain limits in computing the taxable salary income. Under executive instructions, such entertainment allowance, to the extent it is deductible in computing the taxable salary income, has been regarded as an allowance which is "exempt from payment of income-tax" and, accordingly, not to be regarded as 'salary' for the purposes of rule 3.

3. The clause now proposed to be added to rule 3 is intended to give a statutory basis to this position which has been followed all these years under executive instructions. As the assessments for the past years in the case of all salaried employees have been made according to these instructions, the interests of no one would be prejudicially affected by reason of the retrospective operation being given to the insertion of the new clause.

[No. 195/F.No. 142(21)/70-TPL.]

R. R. KHOSLA, Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

आयकर

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर 1970

का० छा० 4001—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा आय-कर नियम, 1962 में और आगे संशोधन के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. ये नियम आय-कर (पंचम संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के नियम 3 के खंड (ख) में, स्पष्टीकरण के खंड (2) में, उपखंड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपखंड अन्तः स्थापित किया जाएगा और 1 अप्रैल, 1962 से अन्तःस्थापित हुआ समझा जाएगा अर्थात्:—

"(iv) किसी सत्कार भत्त के रूप में कोई भी भत्ता, उस सीमा तक जिस तक ऐसा भत्ता धारा 16 के खण्ड (ii) के अन्तर्गत कटौती योग्य हो।"

स्पष्टीकरण स्थापन

आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन संबलप्राप्ति कर्मचारी को नियोजक से प्राप्त परिलब्धियों का मूल्य उसे मिली संबलम् आय को तरह कर प्रचार्य होगा। ऐसी परिलब्धि का मूल्य आय-कर नियम, 1962 के नियम 3 के अनुसार अवधारित किया जाता है। यह नियम अन्य बातों के साथ-साथ यह उपबंध करता है कि नियोजक के द्वारा कर्मचारी को दिया गया भाटक मुक्त गृहवास का मूल्य सुसज्जित अथवा असज्जित गृहवास के अनुरूप साधारणतः संबलम् के 10% 12.5% के बराबर वाली राशि के रूप में प्राकलित किया जाना चाहिए। इस प्रयोजन के लिए

‘संबलम्’ को परिभाषा में वेतन भत्ते, बोनस या कमीशन जो मासिक या अन्य रूप में संदेय है सम्मिलित है, किन्तु निम्नलिखित सम्मिलित नहीं है :—

- (i) मंहगाई भत्ता या मंहगाई वेतन जब तक कि यह संबद्ध कर्मचारी के निवृत्ति लाभ में संगणना में न आता हो;
- (ii) कर्मचारी के भविष्यनिधि खाते में नियोजक का अंशदाय, और;
- iii) भत्ते जो कर संदाय से छूट प्राप्त हैं

इस प्रकार भत्ते जो कर—संदाय से छूट प्राप्त हैं” ।

भाटक मुक्त गृहवास के लिए परिलब्धि के मूल्य आकलन के प्रयोजन के लिए ‘संबलम्’ में सम्मिलित करने योग्य नहीं है ।

2. आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 16(ii) में कराध्य संबलम् आय की संगणना करने में सत्कार भत्ते के लिए कतिपय सीमा तक कटौती का उपबंध है । कार्यपालन अनुदेशों के अधीन, ऐसे सत्कार भत्ते को संबलम् आय की कर संदाय में कटौती योग्य सीमा तक, “आय-कर संदाय से छूट” वाले भत्ते के रूप में माना गया है, और तदनुसार नियम 3 के प्रयोजन के लिए संबलम् नहीं माना जाए ।

3. नियम 3 में अब जोड़े जाने के लिए प्रस्थापित खण्ड इस स्थिति को कानूनी आधार प्रदान करने के लिए आशयित है, जिसका कार्यपालक अनुदेशों के अधीन इन सब वर्षों में अनुसरण किया गया है । क्योंकि गत वर्षों में सभी संबलम् ग्राही कर्मचारियों के मामलों में इन अनुदेशों के अनुसार निर्धारण किया गया है इसलिए इस नये खण्ड के अन्तः स्थापन को लक्ष्य प्रवर्तन देने के कारण से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[सं० 195/फ० सं० 142(21)/70—टी० पो० एल०]

आर० आर० खोसला, सचिव ।

ERRATUM

In the Ministry of Finance Hindi version Notification No.15/ए०सं० 300/2520

70-ई० डी०,

Issue No. 343, dated 16th September, 1970, published as Extraordinary Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), Page No. 1494, in the beginning of the first line read “का० आ० 3117”.

